[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper	**:**	**9529**	**L**
Unique Paper Code	:	2133200018	
Name of the Paper	:	Architectural System in Sanskrit, DSE	
Name of the Course	:	**B.A(Programm), NEP-UGCF-2022**	
Semester	:	VIII	

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

छात्रों के लिए निर्देश.

1. Write your Roll No- on the top immediately on receipt of this question paper.

   इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. Attempt all Questions.

   सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

3. Answers may be written either in Hindi or in English but the same medium should be followed throughout the paper.

   इस प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी में से किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. पञ्च महाभूत क्या हैं? भोजसमरांगणसूत्रधार के आधार पर इनकी उत्पत्ति का वर्णन कीजिए। 18
   What are the Pancha Mahabhutas (Five Great Elements)? Describe their origin based on the Bhojasamaranganasutradhara

   अथवा/Or

   वर्णाश्रम व्यवस्था में गृहस्थ आश्रम का क्या महत्त्व है? वास्तुरत्नाकरभूपरिग्रहकरण के आधार पर विस्तृत वर्णन कीजिए
   What is the significance of the Grihastha Ashram (Householder Stage) within the Varnashrama system? Provide a detailed explanation based on the Vasturatnakara Bhuparigraha Karana

P.T.O.

2. बृहत्संहिता के वस्तुविद्याध्याय (श्लोक 31-38) में वर्णित निर्माण के आधार पर वास्तु के वर्गीकरण का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए। 18
Discuss in detail the classification of Vastu based on construction as described in Vastuvidyadhyaya (verses 31-38) of Brihatsamhita.

अथवा/Or

बृहत्संहिता के वस्तुविद्याध्याय के आधार पर "वास्तुपुरुष' के स्वरुप का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए
Describe in detail the nature of the 'Vastu Purusha,' based on the Vastuvidyadhyaya of the Brihat Samhita.

3. प्राचीन भारतीय वास्तुशास्त्र में भूमि चयन एवं परिक्षण की प्रक्रिया का विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।18
Describe in detail the process of land selection and testing in ancient Indian architecture.

अथवा/Or

प्राचीन भारतीय वस्तुशास्त्र में भूमि के प्रकारों का विस्तृत वर्णन कीजिए
Provide a detailed description of the various types of land in ancient Indian Vastu Shastra.

4. बृहद्वास्तुमाला के अनुसार गृहविभाग, दिग्ज्ञान, द्वारनिर्माण, द्वारसज्जा एवं द्वारनिर्णय का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए। 18
Describe in detail the division of houses, directions, door construction, door decoration and door decision according to Brihadvastumala.

अथवा/Or

प्राचीन भारतीय वास्तुशास्त्र में गृह निर्माण के प्रारंभिक चरणों पर प्रकाश डालिए।
Throw light on the initial stages of house construction in ancient Indian architecture.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए: 3×6=18
Write short notes on any **three** of the following:

(क) निर्माण के आधार पर वास्तु के सात प्रकार
Seven Types of Vastu Based on Construction

(ख) भूमि के प्रकार : Types of Land

(ग) पितामहवास्तु : Pitamahvastu

(घ) पुण्यकवास्तु : Punyakavastu

(ङ) भूमि संसोधन : Land Reforms